सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 158 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 15 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

मैं जो भी हूं या होने की आशा करता हूं, उसका श्रेय मेरी मां को जाता है।
-अब्राहम लिंकन

भारत ने इंग्लैंड को पहले वनडे में 6 विकेट... 7 | बिहार-मध्य प्रदेश में है उपचुनाव... 3 | भाजपाइयों से सदाचार और हृदय... 2

मणिपुर में अब वर्दी बनाम भीड़!

असम राइफल्स कैंप पर भीड़ का हमला, हिंसा का तांडव

» क्या युद्धविराम की व्यवस्था अब उग्रवादियों के लिए सुरक्षा कवच बन रही है?

» कानून का शासन कमजोर पड़ा, भीड़ और बंदूक के बीच की रेखा और धुंधली हुई

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर एक बार फिर जल उठा है लेकिन इस बार फर्क सिर्फ इतना है कि आग किसी गांव या बाजार में नहीं बल्कि सीधे उस सुरक्षा बल के दरवाजे तक पहुंच गई जिसे सीमा और आंतरिक सुरक्षा की सबसे मजबूत ढाल माना जाता है। मणिपुर के सेनापति शहर में असम राइफल्स के कैंप भीड़ ने हमला कर दिया। वाहन तोड़े, आग लगाई और जमकर नारेबाजी भी की। यह हमला महज पत्थरबाजी या आगजनी की घटना नहीं है बल्कि यह उस पूरे सुरक्षा ढांचे के खिलाफ खुली चुनौती है जो पिछले वर्षों से मणिपुर को सामान्य करने की कोशिश में लगा है।

हमले के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसी कौन सी ताकतें हैं जो भीड़ को इस हद तक संगठित कर देती हैं कि वह हथियारबंद सुरक्षा बल के कैंप तक पहुंचकर वाहनों को आग लगा दें ट्रकों को पलट दे और घंटों तक बवाल मचाती रहे। क्या यह स्वत: स्फूर्त गुस्सा था या फिर किसी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा? क्योंकि घटनाक्रम बताता है कि असम राइफल्स ने विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर उन सशस्त्र कैडरों की तलाश शुरू की थी जिन पर सीजफायर के नियमों का उल्लंघन कर कैंप से बाहर हथियारों और वर्दी के साथ घूमने का आरोप था।

रक्षा प्रवक्ता का बयान

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि मकुइलोंगडी क्षेत्र में जो ओकलोंग स्थित नामित आईएम कैंप से लगभग दो किलोमीटर पश्चिम में है सशस्त्र कैडरों की मौजूदगी संबंधी विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद असम राइफल्स ने क्षेत्र प्रभुत्व गश्त और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि खुफिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों से संकेत मिले थे कि सशस्त्र कैडर निर्धारित कैंपों से बाहर हथियारों और वर्दी के साथ घूम रहे थे जो स्थापित सीजफायर के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। साथ ही सीजफायर मॉनिटरिंग ग्रुप को इन कथित उल्लंघनों की औपचारिक जानकारी भी दी गई और इससे जुड़े सुरक्षा संबंधी मुद्दों से अवगत कराया गया। प्रवक्ता के अनुसार अभियान के दौरान मकुइलोंगडी और ओकलोंग गांवों की ओर बढ़ रही असम राइफल्स की टुकड़ियों को बड़ी संख्या में लोगों ने रोक लिया जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं।

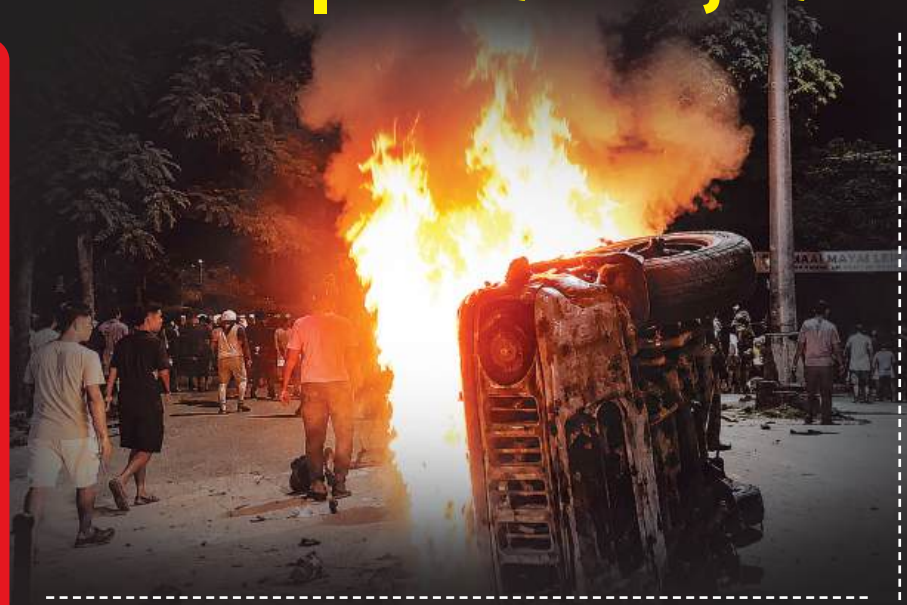

संयम से काम किया असम राइफल्स ने

असम राइफल्स के जवानों ने अत्यधिक संयम बरतते हुए स्थानीय प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया कि अभियान का उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना और क्षेत्र में शांति बनाए रखना है। साथ ही, यह भी आश्वासन दिया गया कि संबंधित अधिकारियों की अनुमति के बिना कोई भी टुकड़ी किसी गांव में प्रवेश नहीं करेगी। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब रात नौ बजे सेनापति शहर में बड़ी संख्या में लोगों के इकट्ठा होने और असम राइफल्स कैंप की ओर मार्च करने की सूचना मिली। असम राइफल्स की टुकड़ियों के वापस लौटने के बावजूद रात करीब 9:30 बजे बड़ी भीड़ कैंप तक पहुंच गई और पत्थरबाजी संपत्ति में तोड़फोड़ तथा आगजनी की कोशिश की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेनापति पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को तत्काल तैनात किया गया। बाद में लौटते समय भीड़ के एक हिस्से ने असम राइफल्स के वाहनों में तोड़फोड़ की। एक हल्के वाहन को आग लगा दी गई जबकि दो ट्रकों को पलटकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। हिंसा के दौरान एक नागरिक की कार को भी जला दिया गया।

हमले के दोषियों को गिरफ्तार किया

रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक सुरक्षा बल शांति बनाए रखने सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून के शासन को कायम रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए लगातार संयम और पेशेवर व्यवहार का परिचय दे रहे हैं। इस बीच एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 6 जुलाई को मणिपुर के उखरूल जिले में हुए घात लगाकर किए गए हमले जिसमें असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे के सिलसिले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि टीएम कासोम लितान और सिकिबुंग क्षेत्रों में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान इन लोगों को हिरासत में लिया गया। गौरतलब है कि मणिपुर के हिंसा प्रभावित उखरूल जिले में नुंगशांग कोंग के पास इंफाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग संदिग्ध नागा उग्रवादियों ने असम राइफल्स के वाहन पर घात लगाकर हमला किया था जिसमें दो जवान शहीद हो गए थे। शहीद जवानों की पहचान वारंट अधिकारी बलवंत सिंह और हवलदार चंद्र मोहन सिंह के रूप में हुई थी।

महिलाओं को आगे कर किया हमला

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा और कहीं अधिक गंभीर पहलू यह है कि सुरक्षा बलों को गांवों में प्रवेश से रोकने के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं सहित भीड़ को आगे कर दिया गया। पूर्वोत्तर में कई उग्रवादी संगठनों द्वारा अतीत में भी स्थानीय जनसमर्थन और भीड़ का इस्तेमाल सुरक्षा अभियानों को बाधित करने के लिए किया जाता रहा है। यदि ऐसा इस मामले में भी हुआ है तो यह केवल कानून-व्यवस्था का संकट नहीं बल्कि सुरक्षा नीति के लिए भी बड़ा खतरा है। तीसरा पहलू समय का है। महज नौ दिन पहले उखरूल में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हुए। जांच अभी जारी है। तीन संदिग्ध हिरासत में हैं। इसी बीच सेनापति में सुरक्षा अभियान शुरू होता है और देखते ही देखते भीड़ कैंप पर हमला बोल देती है। क्या इन दोनों घटनाओं के बीच कोई कड़ी है? फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इस संभावना से इनकार भी नहीं कर रहीं कि उग्रवादी नेटवर्क अपने खिलाफ बढ़ती कार्रवाई से बौखलाया हुआ है। मणिपुर में हिंसा केवल जातीय संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह सुरक्षा बलों उग्रवादी संगठनों युद्धविराम व्यवस्था और स्थानीय राजनीति के जटिल समीकरण में बदल चुकी है। ऐसे में सेनापति की घटना एक चेतावनी है अगर राज्य में कानून का शासन कमजोर पड़ा तो भीड़ और बंदूक के बीच की रेखा और धुंधली होती चली जाएगी।

भाजपाइयों से सदाचार और हृदय-परिवर्तन की कोई भी अपेक्षा निरर्थक : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने सोनम वांगचुक अनशन तोड़ने की अपील की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे समेत अन्य मुद्दों को लेकर 17 दिन से आमरण अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने समर्थन करते उनसे अपील की है कि वह अनशन तोड़ दे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- सोनम वांगचुक से हमारा अति विनम्र आग्रह और सविनय अपील है कि वो अपना अनशन तोड़ दें। उनका जीवन समस्त विश्व के लिए अनमोल है क्योंकि उसमें मानवता और पर्यावरण के लिए उतनी ही प्रतिबद्धता है जितनी की लोकतंत्र के लिए।

उन्होंने लिखा कि जिस बीजेपी सरकार को जगाने के लिए वो आमरण अनशन पर हैं वो तो एक सिद्धांतहीन, भ्रष्ट तंत्र है, उसकी असंवेदनशीलता और हृदयहीनता में किसी के भी त्याग का कोई महत्व नहीं है अत: भाजपाइयों से सदाचार और हृदय-परिवर्तन की कोई भी अपेक्षा निरर्थक है। बीजेपीइयों के लिए किसी के जीवन का कोई भी मोल नहीं है। उनके लिए धन ही प्रधान है, वो भ्रष्टाचार से कमाए पैसों के घमंड में चूर हैं।

अखिलेश यादव के खिलाफ विवादित पोस्टर से बवाल, सपा नेताओं ने पुलिस को दी तहरीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सपा) के संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर लगाए गए पोस्टर पर बवाल मच गया। पोस्टर सामने आने के बाद सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने कड़ा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस तरह के विवदित पोस्टा पर सीतापुर व बाराबंकी जिले में ज्यादा आक्रोश देखने को मिला है। मामले की संवेदनशीलता देखते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच का आश्वासन दिया है। जिसके बाद कार्यकर्ता शांत हुए. बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कोतवाली पहुंचे थे। जबकि के प्रदेश के कई जिलों में सपा नेताओं ने पोस्टर जला दिए थे।

पुलिस ने शुरू की जांच

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्तियों और उनके परिवार के प्रति इस तरह की अभद्र टिप्पणी पूरी तरह अस्वीकार्य है। ऐसे कृत्य सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के भी विपरीत हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि पोस्टर लगाने वाले अज्ञात लोगों की जल्द पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए. इस घटना को लेकर सपा समर्थकों में भी नाराजगी देखी जा रही है। वहीं, पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाओं का दौर जारी है।

भाजपा को युवाओं के भविष्य से कुछ लेना देना नहीं

अखिलेश ने लिखा कि उनमें बदलाव की आशा करना ही व्यर्थ हैजिनमें अहंकार होता है उनमें परिष्कार नहीं होता.'सत्याग्रह' का महत्व वो क्या जानें जो 'सत्ताग्रह' के लालच में मंदिर तक लूट ले रहे हैं उन्हें न युवाओं के भविष्य से कुछ लेना-देना है, न उनके माता-पिता और अन्य परिजनों के सपनों से, वो तो खुदगर्ज़ लोग हैं। यादव ने लिखा कि लोकतंत्र का गला घोंटनेवाली महापापी-अधर्मी बीजेपी और उसके भूमिगत अपंजीकृत संगी-साथियों के गिरोह को हराने और सदैव के लिए हटाने के लिए आपके मनोबल और नैतिकता की महाशक्ति हर सच्चे भारतीय की प्रेरणा बनती रहे और आप देशवासियों, युवाओं, लोकतंत्र और पर्यावरण के संघर्ष के लिए नकारात्मक ताक़तों के ख़िलाफ़ सदैव प्रकाश स्तंभ बने रहें, यही हम सबकी चाह है और प्रार्थना भी।

माहौल खराब करने का आरोप लगाया

समाजवादी पार्टी के बाराबंकी जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नगर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर सौंपी. उन्होंने आरोप लगाया कि अज्ञात असामाजिक तत्वों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को बदनाम करने और समाज में नफरत फैलाने की नीयत से जनपद के विभिन्न स्थानों पर आपत्तिजनक होर्डिंग और पोस्टर लगाए हैं। हाफिज अयाज अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ विवादित पोस्टर लगाकर जानबूझकर सामाजिक और राजनीतिक माहौल खराब करने का प्रयास किया गया है। इससे पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इस प्रकार की हरकत किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होने पर ही कार्यकर्ताओं का रोष शांत होगा।

अमर्यादित होर्डिंग पर सपा ने भाजपा पर किया प्रहार

आनंद भदौरिया ने उतरवाकर जलवाए, दिल में बाबर, मुंह में राम लिखे बैनरों से गरमाई सियासत

» सांसद बोले- यह कायराना कृत्य भाजपा सरकार के इशारे पर यूपी का सूचना विभाग कर रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। शहर के मुख्य मार्ग पर मंगलवार को एक बार फिर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाते हुए लगाए गए होर्डिंग को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाया। सूचना मिलते ही धौरहरा से सपा सांसद आनंद भदौरिया समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की मदद से होर्डिंग उतरवाकर उसे जलवा दिया। सपा नेताओं ने इसे पार्टी की छवि धूमिल करने की साजिश बताते हुए प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

शहर से बाहर लगाए गए होर्डिंग पर बड़े अक्षरों में दिल में बाबर, मुंह में राम लिखा गया था। इसके साथ समाजवादी पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं के हवाले से कथित बयानों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था। होर्डिंग की जानकारी मिलते ही सपा कार्यकर्ताओ ने मौके पर पहुंच कर विरोध जताया।

गौरतलब है कि करीब 22 दिन पहले भी इसी स्थान पर अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के खिलाफ पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। उस समय भी सांसद आनंद भदौरिया ने मौके पर पहुंचकर बैनर हटवाए थे और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल से शिकायत की थी। हालांकि अब तक पोस्टर लगाने वालों की पहचान सार्वजनिक नहीं हो सकी है। मंगलवार को दोबारा होर्डिंग लगाए जाने से सपा नेताओं में नाराजगी दिखी। सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि यदि पहले मामले में प्रभावी कार्रवाई हुई होती तो ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होती। सपा सांसद का मानना है कि ये कायराना कृत्य भाजपा सरकार के इशारे पर उत्तर प्रदेश का सूचना विभाग कर रहा है।

पहले भी एसपी से मिलकर की थी शिकायत

सांसद आनंद भदौरिया ने बताया कि करीब 22 दिन पहले भी शहर में समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ अमर्यादित पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। मामले को लेकर उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर दोषियों की पहचान और कार्रवाई की मांग की थी। बावजूद इसके अब तक कोई खुलासा नहीं हो सका। दोबारा होर्डिंग लगाए जाने के बाद सपा नेताओं में गहरी नाराज़गी है।

सूचना विभाग का दुरुपयोग कर रही भाजपा

धौरहरा सांसद आनंद भदौरिया ने घटना को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह कायराना कृत्य है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर उत्तर प्रदेश सूचना विभाग की पहचान और प्रारूप का दुरुपयोग कर राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र का इस्तेमाल राजनीतिक प्रचार के लिए नहीं होना चाहिए।

नौजवान सड़क पर उतरेगा : संजय

» सोनम वांगचुक को आम आदमी पार्टी का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लद्दाख के अधिकारों और देश के युवाओं के भविष्य के लिए जंतर-मंतर पर 17 दिनों से आमरण अनशन कर रहे सोनम वांगचुक के समर्थन की घोषणा की है। उन्होंने पेपर लीक, नीट धांधली और अग्निवीर जैसी योजनाओं से बर्बाद हो रहे करोड़ों युवाओं की आवाज को दबाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार की संवेदनहीनता पर प्रहार किया।

उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक के अनशन से प्रधानमंत्री मोदी और संवेदनहीन भाजपा सरकार नहीं पसीजेगी। हम गंगा की निर्मलता के लिए 10 दिनों से ज्यादा तक आमरण अनशन पर बैठे जीडी अग्रवाल का हश्र देख चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब देश का नौजवान सड़कों पर उतरेगा तभी यह संवेदनहीन सत्ता झुकेगी। इस अन्याय के खिलाफ संजय सिंह ने घोषणा की 20 जुलाई को आम आदमी पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई हर जिले में व्यापक प्रदर्शन और आंदोलन

के जरिए सोनम वांगचुक के संघर्ष को जन-जन तक पहुंचाएगी। संजय सिंह ने कहा कि सोनम वांगचुक वही शख्सियत हैं जिनके जीवन पर 3 ईडियट्स फिल्म बनी और जिन्होंने कमजोर बच्चों की शिक्षा के लिए लद्दाख में क्रांतिकारी स्कूल बनाया। उन्होंने भारतीय सेना के जवानों के लिए -20 डिग्री तापमान में भी सुरक्षा देने वाले विशेष टेंट का आविष्कार किया। आज वही देशभक्त नौजवानों के अधिकारों के लिए 17 दिनों से भूखा बैठा है, उनका वजन घट रहा है और हालत बिगड़ रही है, लेकिन उनका हौसला अटूट है। संजय सिंह ने सोनम वांगचुक के अनशन को देश के उन करोड़ों युवाओं के भविष्य से जोड़ा जिनका जीवन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक 93 पेपर लीक हो चुके हैं, जिससे युवाओं का सपना टूट गया है।

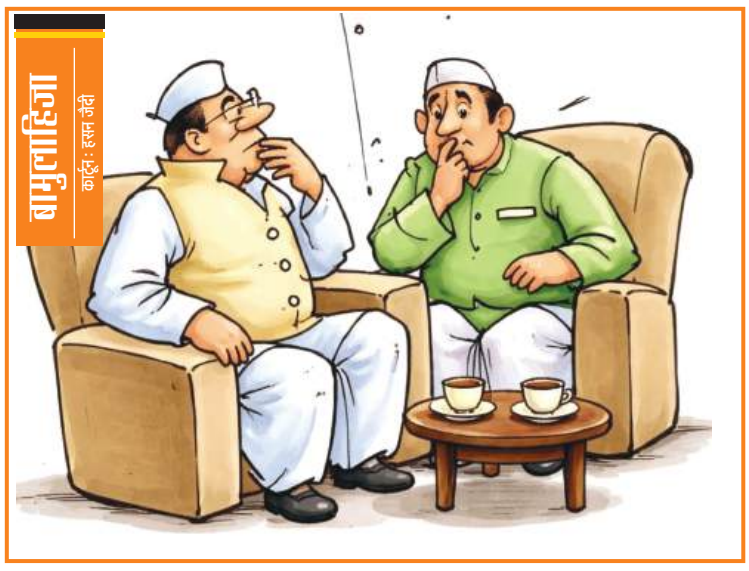

12 में पिता के दम पर दुर्भाग्य से बन गए थे सीएम : राजभर

» एसबीएसपी के अध्यक्ष एकबार फिर सपा प्रमुख पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री और एनडीए के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने बुधवार को फिर से समाजवादी पार्टी और इसके अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाना बनाया है। ओमप्रकाश राजभर ने अम्बेडकरनगर में समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल के दौरान हुईं हिंसक घटनाओं का उल्लेख किया है।

मंत्री ओपी राजभर ने बुधवार को सोशल मीडिया पर सपा का आतंकराज- पार्ट- 2 पोस्ट किया है। मंगलवार को उन्होंने

एक्स पर पोस्ट सपा का आतंकराज पार्ट - 1 शेयर की थी। राजभर यूपी में समाजवादी पार्टी पर लागातार हमले कर रहे हैं।ओमप्रकाश राजभर ने पोस्ट में लिखा है, अखिलेश जी, पिता के दम पर आपका दुर्भाग्य से 2012 में मुख्यमंत्री बन जाना और आपकी ताजपोशी से उत्तर प्रदेश का पश्चिम बंगाल बन जाना। याद कीजिए, साल 12 का आप चुनाव जीते और उसके बाद आपके उद्दंड कार्यकर्ताओं ने क्या किया। पूरे प्रदेश में जातीय और धार्मिक हिंसा शुरू कर दी। उत्तर प्रदेश को पश्चिम बंगाल जैसा बना दिया गया था।उन्होंने लिखा है, आपकी पार्टी की जीत के 36 घंटे के अंदर आपके कार्यकर्ताओं ने यूं तो हर जिले में हंगामा किया था लेकिन यूपी के नौ जिलों के अति पिछड़ों एवं दलित गांवों को आग के हवाले करने की घटना को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस आगजनी में हत्याएं भी की गईं और पुलिस बेबस रहकर तमाशा देखती रही। उस हिंसा में अम्बेडकरनगर के अकबरपुर विधानसभा सीट से चुनाव हारने वाले बसपा के एक पूर्व मंत्री की राइस मिल तक जला दी गई थी। याद तो होगा ही ना।

बिहार-मध्य प्रदेश में है उपचुनाव बना है सियासी तनाव

नामांकन से पहले विवादों ने अलापा राग

भाजपा-कांग्रेस व राजद के साथ जनसुराज ने लगाया दांव

» दतिया में नरोत्तम का टिकट कटने पर बवाल
» बांकीपुर में भाजपा प्रत्याशी पर विपक्ष का सवाल
» दिग्विजय के बयान पर गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो राज्य, दो उपुचनाव, दोनों में नामांकन से पहले तनाव, साथ ही विवादों का राग। अब देखना होगा कि मतदान के बाद सत्ता पक्ष का दांव चलजा है ये विपक्ष को घाव मिलता। हम बात कर रहे हैं बिहार व मप्र में क्रमशः बांकीपुर व दतिया विधान उपचुनाव की। दतिया में जहां भाजपा व कांग्रेस में मुकाबला है वही बिहार में बांकी में भाजपा व राजद के बीच अहम मुकाबला है पर जनसुराज पार्टी अध्यक्ष पीके के लड़ने से ये सीट त्रिकोणी लड़ाई में जा चुकी है।

सबसे बड़ी बात दोनों ही सीटे भाजपा के दिग्गज नेताओं की है। बांकीपुर जहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीन नबीन की परंपरागत सीट है तो दतिया मप्र के गृहमंत्री रहे नरोत्तम मिश्रा की सीट है। दोनों ही सीटों को लेकर गहरे विवाद भी सामने आ गए है। जहां दतिया में नरोत्तम का टिकट कटने से उनके समर्थकों ने पूरे दतिया में जमकर प्रदर्शन किया। बाद में शीर्ष नेतृत्व के कहने माला शांत हुआ। वहीं कांग्रेस के पुराने प्रत्याशी की जगह नये प्रत्याशी का मौका दिया उसने पर्चा भर दिया। उसमें भी पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के बयान पर घमासा मच गया। वहीं बांकीपुर से भाजपा के पहले प्रत्याशी बंटी ने नाम वापस ले लिया तो नए उम्मीदवार की जन्मतिथि को लेकर राजद ने हल्लाबोल कर विवाद को जन्म दे दिया। आने वाला समय बताएगा की भाजपा को तनाव मिलता है विपक्ष की सीटो का अभाव दूर होता है।

बीजेपी के नए उम्मीदवार पर राजद का निशाना

बिहार की हाई प्रोफाइल विधानसभा सीट बांकीपुर पर उपचुनाव की तारीख का ऐलान होने के बाद से ही सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। नितिन नवीन की इस सीट पर जल्द ही मतदान होगा और नया विधायक तय किया जाएगा। इससे पहले सभी बड़े राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और चुनावी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस बीच सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कैंडिडेट नीरज सिन्हा को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। बीजेपी के नए प्रत्याशी नीरज सिन्हा पर राजद ने सवाल उठाए हैं। मृत्युंजय तिवारी का कहना है कि बीजेपी ने नए कैंडिडेट का जो बायोडाटा जारी किया है उसमें उनके जन्म का साल 1994 है। इसके बाद यह बताया गया है कि उन्होंने बीजेपी साल 2006 में जॉइन कर ली थी। यानी वह केवल 12 वर्ष के बच्चे थे, जब बीजेपी ने उन्हें अपना सदस्य बना लिया। राजद का सवाल है कि यह क्या खेल चल रहा है?

दिग्विजय सिंह के चल हट से माहौल गरमाया

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि हम सब एकजुट हैं। कार्यकर्ता से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक मिलकर कांग्रेस की जीत के लिए काम करेगा। सभा से पहले दिग्विजय पीतांबरा माई के मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेश की शांति की कामना की। मंदिर से निकलने के बाद जब मीडिया ने उनसे चुनावी सवाल पूछे तो उन्होंने कहा, चल हट। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि माई की कृपा बनी रहे। इसके बाद जब

मीडियाकर्मियों ने उनसे राजनीतिक सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि अरे, छोड़ो राजनीति की बात। चंदा चोरी की बात करो। चंदा चोरों को बचाओ मत, मोदी जी। चंपत राय सबसे बड़ा चोर है, डकैत है। इन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट को जो करना है, वह करे। हम तो अपनी लड़ाई लड़ेंगे। यहां भाजपा-कांग्रेस की बात मत करो। माई के दरबार में सब एक हैं। ये कहते हुए दिग्विजय आगे बढ़ते हुए वीडियो में दिखाई दे रहे हैं।

बीजपी बोली- कांग्रेस बौखलाहट में है

आशीष अग्रवाल ने आगे कहा कि कांग्रेस बौखलाहट में है। उन्हें पता है कि दतिया में उनकी जमीन खिसक रही है, इसलिए बड़े नेता इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। नामांकन के दिन कांग्रेस ने एकजुटता और आक्रामकता दोनों दिखाई। एक तरफ राजेंद्र भारती जीत का दावा कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ दिग्विजय के बयान ने नई बहस छेड़ दी है। अब देखना होगा कि दतिया की जनता 20 साल के भाजपा शासन को बरकरार रखती है या 2023 जैसा बदलाव फिर दोहराती है। आने वाले दिन प्रचार के लिहाज से बेहद अहम होंगे।

प्रशांत किशोर और नीरज सिन्हा ने नामांकन किया

बांकीपुर विधानसभा में हो रहे उपचुनाव के लिए सोमवार भारतीय जनता पार्टी और जनसुराज के उम्मीदवार अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर दिया। बांकीपुर विधानसभा की जनता से आशीर्वाद लेकर जनसुराज के प्रत्याशी प्रशांत किशोर और भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा अपना नामांकन पर्चा दाखिल करने समाहरणालय पहुंचें। दोनों ने अपने नामांकन पर्चे की जांच एक्सपर्ट से भी करवा ली है। नामांकन कार्यक्रम को लेकर दोनों उम्मीदवार और उनके समर्थकों की ओर से सारी तैयारी पूरी कर ली थी। समर्थकों की भीड़, जुलूस और शक्ति प्रदर्शन के बीच आज बांकीपुर की राजनीति का माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में नजर आया।

दतिया उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने भरा नामांकन

दतिया विधानसभा उपचुनाव के नामांकन के आखिरी दिन कांग्रेस ने शक्ति प्रदर्शन के साथ चुनावी बिगुल फूंक दिया है। पार्टी प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र जमा किया। इस दौरान मंच पर प्रदेश के दिग्गज नेता मौजूद रहे। वहीं, इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बयान से सियासत गरमागई है। चलिए जानते हैं उन्होंने कहा है? दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचेकर निर्वाचन अधिकारी को नामांकन सौंपा दिया है। नामांकन के बाद भैरव मंदिर के पास आमसभा हुई। सभा में पहुंचने के लिए वरिष्ठ नेता राजेंद्र भारती, पीसी शर्मा और अशोक सिंह थोड़ी देरी से पहुंचे, लेकिन आते ही उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया। मीडिया से रुबरू होते हुए राजेंद्र भारती ने जीत का भरोसा जताया। उन्होंने अंगूठा दिखाकर कहा कि दतिया की जनता मन बना चुकी है। 2023 में जो जनादेश मिला था, वही 2026 में भी दोहराया जाएगा। भाजपा में टिकट कटने को लेकर मचे घमासान पर उन्होंने तंज कसा। नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के सवाल पर बोले कि इससे सिर्फ कांग्रेसी ही नहीं, दतिया की आम जनता भी खुश है। 20 साल की सत्ता से लोग त्रस्त हो चुके हैं।

भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई

दिग्विजय का यह जवाब कैमरे में कैद हो गया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दिग्विजय के इस बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि यह कांग्रेस के शीर्ष नेता की पत्रकारिता विरोधी सोच का प्रमाण है। सवाल पूछना पत्रकार का धर्म है और जवाब देना नेता का। इस तरह की भाषा लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

अभिषेक का नाम वापस लेना पहली जीत : प्रशांत किशोर

प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिन्हा के नाम वापस लेने को जन बल की जीत बताया, दावा किया कि अब तक बीजेपी के डर से लोग भागते थे, पर पहली बार भाजपा उम्मीदवार मैदान छोड़ भागा। जन सुराज पार्टी ने बीजेपी पर प्रशांत किशोर से डरकर उम्मीदवार बदलने का आरोप लगाया है, जिसके बाद अब नीरज कुमार सिन्हा को नया प्रत्याशी बनाया गया है। किशोर ने इस चुनाव को बिहार में बीजेपी-नीत सरकार के कामकाज पर जनमत संग्रह बताया है। जन सुराज पार्टी ने दावा किया कि बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए बीजेपी द्वारा अपना उम्मीदवार बदले जाने के बाद पार्टी अपने

संस्थापक प्रशांत किशोर से डरी हुई है। वहीं, प्रशांत किशोर ने भाजपा उम्मीदवार के नाम वापस लेने पर दिया बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जन बल के आगे कोई बल नहीं है, अबतक लोग भाजपा के डर से भागते थे लेकिन ये पहली बार इंसाफ हुआ है कि भाजपा का उम्मीदवार भाग गया। यह प्रतिक्रिया तब आई जब बीजेपी के मूल उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा ने नामांकन पत्र दाखिल करने के एक दिन बाद ही पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अपना नामांकन वापस ले लिया।

नामांकन से पहले बाबा हरिहरनाथ के दरबार पहुंचे पीके

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले जन सुराज के संस्थापक एवं प्रत्याशी प्रशांतसोनपुर स्थित प्रसिद्ध बाबा हरिहरनाथ मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर जीत का आशीर्वाद लिया। धार्मिक दर्शन के बाद वह पटना के लिए रवाना हुए, जहां आज बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। प्रशांत किशोर ने कहा कि बांकीपुर उपचुनाव में जीत और हार का फैसला पूरी तरह जनता के हाथ में है। उन्होंने कहा कि अगर जीत-हार हमारे हाथ में होती तो पिछले विधानसभा चुनाव में जन सुराज को हार का सामना नहीं करना पड़ता। हमारा काम ईमानदारी से जनता के सामने एक विकल्प रखना है। अब यह जनता तय करेगी कि वह हमें चुनती है या किसी अन्य दल के उम्मीदवार को।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

न्यायिक प्रक्रिया की सुस्ती से हताश लोगों को बचाना जरूरी

अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट में एक लखनऊ के वकील ने न्यायलय की कार्यप्रणाली से क्षुब्ध होकर न्यायधीशों व न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अभ्रद भाषा का प्रयोग किया हालांकि शीर्ष अदालत ने उसे छोड़ दिया और कहा वह फ्रस्टेट था। वकील ने पूरे देश में नाम होने के चलते उसे ऐसा किया। मामला चाहे जो पर यह एक गंभीर विषय है। जब लोग सब जगह से निराश हो जाते हैं तो न्यायालय की चौखट पर जाते पर अगर वहां भी उन्हें निराशा हाथ लगेगी तो वह हताशा में ऐसे ही कृत्य करेंगे। नीति निर्माताओं को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना होगा। अमूमन देखने को आता है भारत में मुकदमें सालों दर साल चलते हैं कभी-कभी तो कई पीढ़ियों के गुजरने के बाद फैसले आते हैं जो बहुत ही निंदनीय है। अभी एक रिपोर्ट में लगातार छठे वर्ष देश भर में बलात्कार के मामलों में राजस्थान का नाम शीर्ष पर होना सचमुच शर्मनाक है।

सोचनीय तथ्य यह भी है कि बलात्कार के अपराध में न्याय की सबसे अहम कड़ी डीएनए जांच खुद संदेह, सुस्ती और अव्यवस्था की शिकार हो चुकी है। जाहिर है, जब वैज्ञानिक प्रमाण समय पर अदालत तक नहीं पहुंचते, तब पीड़िता को न्याय दिलाने की प्रक्रिया ही बाधित होने के साथ कमजोर पड़ जाती है। ऐसे में अपराधियों का बच निकलना आसान हो जाता है। 15 हजार से अधिक डीएनए सैंपलों का लंबित होना केवल एक आंकड़ा नहीं है। यह उन हजारों पीड़िताओं का दर्द है, जो वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा में अदालतों, पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रही हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस देरी के फेर में कई सैंपल जांच योग्य ही नहीं रह जाते। मेडिकल प्रक्रिया के दौरान लापरवाही, सैंपलों का सही संरक्षण नहीं होना, प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी औरचेन ऑफ कस्टडी का टूटना सीधे तौर पर न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करता है। जब वैज्ञानिक साक्ष्य दूषित हो जाते हैं, तब अदालतों में संदेह का लाभ आरोपी को ही मिलता है। जब संवेदनशील मामलों की जांच में इस्तेमाल होने वाली किट कथित रूप से 11 गुना अधिक कीमत पर खरीदी जाएं तब जनता का विश्वास केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि पूरी न्याय प्रक्रिया से डगमगाने लगता है। सरकार को फॉरेंसिक ढांचे का विस्तार, प्रशिक्षित मानव संसाधन, सैंपल संग्रह की मानकीकृत प्रक्रिया, जवाबदेही और समयबद्ध जांच को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। आवश्यकता स्थायी वैज्ञानिकों, आधुनिक उपकरणों और जिला स्तर तक सुदृढ़ फॉरेंसिक नेटवर्क की भी है।

जब लोग सब जगह से निराश हो जाते हैं तो न्यायालय की चौखट पर जाते पर अगर वहां भी उन्हें निराशा हाथ लगेगी तो वह हताशा में ऐसे ही कृत्य करेगा। नीति निर्माताओं को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

स्वयं सहायता समूहों से सशक्त होंगे वरिष्ठ नागरिक

सुरेश सेठ

देश में जनगणना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान में प्रथम चरण के अंतर्गत आवासीय जनगणना की जा रही है। दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार तथा बेघर व्यक्तियों की जनगणना होगी। इससे पहले नागरिकों को अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद जनगणना अधिकारी घर-घर जाकर विवरण का सत्यापन और आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सही आकलन करने में सहायक होते हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं और कल्याणकारी नीतियां अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करती है। जनगणना से जुड़ी शुरुआती चर्चाओं के बीच एक महत्वपूर्ण चिंता देश की बदलती जनसांख्यिकीय संरचना को लेकर सामने आ रही है।

भारत की कुल प्रजनन दर अब प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे पहुंच चुकी है, जिससे भविष्य में युवाओं की हिस्सेदारी घटने और बुजुर्ग आबादी बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। महानगरों में विवाह की बढ़ती उम्र, कम संतान की प्रवृत्ति तथा बदलती जीवनशैली भी इस परिवर्तन के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। वहीं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और बढ़ती जीवन प्रत्याशा के कारण वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में जनगणना के आंकड़े देश की भावी सामाजिक, आर्थिक और जनसंख्या संबंधी नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चीन और जापान जैसे देशों ने वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना किया है। वहां वरिष्ठ नागरिक अनुभव और कौशल के आधार पर आज भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारत लंबे समय तक स्वयं को युवाओं का देश मानता रहा, लेकिन घटती प्रजनन दर और बढ़ती जीवन प्रत्याशा भविष्य में बुजुर्ग आबादी के बढ़ने का संकेत दे रही है। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों को केवल आश्रित नहीं, बल्कि उत्पादक संसाधन के रूप में देखने की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य से देश में अनेक बुजुर्गों को पर्याप्त सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं। परिवारों के विघटन और उपेक्षा की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकार और समाज दोनों को वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की

होगी। इस दिशा में एक सकारात्मक पहल वर्ष 2004 में तमिलनाडु में सुनामी के बाद सामने आई। आर्थिक संकट के बावजूद अनेक वरिष्ठ नागरिकों ने हार मानने के बजाय स्वयं सहायता समूह (सेल्फ हेल्प ग्रुप) बनाकर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास शुरू किया। प्रारंभ में सरकारी स्तर पर पर्याप्त योजनाएं या प्रोत्साहन नहीं थे, फिर भी यह पहल लगातार आगे बढ़ती रही। आज यह अभियान तमिलनाडु से निकलकर कई राज्यों तक पहुंच चुका है। आज हजारों वरिष्ठ नागरिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस मॉडल को विस्तार देने की आवश्यकता है, ताकि वरिष्ठ नागरिक आत्मनिर्भर बनें, एक-दूसरे का सहयोग करें और अपने अनुभव से समाज व अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें। वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों ने आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इन समूहों से जुड़े लगभग 70 प्रतिशत बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त बने हैं। नियमित छोटी बचत के आधार पर उन्होंने करोड़ों रुपये का सामूहिक कोष तैयार किया, जिससे जरूरतमंद सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराया गया और आय के नए अवसर भी विकसित हुए। बिहार के सुपौल जिले का यह मॉडल विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहां कई बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त होकर सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। इस पहल की सफलता को देखते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों की अवधारणा को भी प्रोत्साहन देना शुरू किया है। यह मॉडल आत्मनिर्भर और सम्मानजनक वृद्धावस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वास्तविक समाधान तभी संभव है, जब प्रशासन, समाज और वरिष्ठ नागरिक मिलकर कार्य करें।

बढ़ती उम्र के कारण भले ही बुजुर्ग शारीरिक रूप से पहले जैसे सक्रिय न रहें, लेकिन उनका अनुभव, ज्ञान और निर्णय क्षमता समाज की अमूल्य पूंजी है। उन्हें ऐसे कार्यों में अवसर दिए जाने चाहिए, जहां मार्गदर्शन, सलाह और अनुभव की आवश्यकता हो। युवा ऊर्जा और वरिष्ठों के अनुभव का समन्वय राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दे सकता है। वरिष्ठ नागरिकों को केवल सहायता का पात्र नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। कुछ राज्यों में स्वयं सहायता समूहों की सफल पहल इसकी संभावना सिद्ध कर चुकी है। अब आवश्यकता है कि सरकार और समाज मिलकर इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाएं।

विशेषज्ञों का अध्ययन दूर करेगा इथेनॉल के भ्रम

दिनेश सी शर्मा

इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को तेजी से बढ़ावा देने की सरकारी नीति हाल के हफ्तों में लोगों की कड़ी आलोचना का निशाना है, हालांकि, यह नीति 2022 से लागू है। 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का मूल लक्ष्य 2030 तक हासिल करना था, लेकिन समयपूर्व 2025 कर दिया गया। इस नीति के फायदों के बारे में कई दावे किए जा रहे हैं ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा की बचत से लेकर किसानों के कल्याण तक। फिर भी, वाहन मालिक इंजन खराब होने और माइलेज कम होने की शिकायत कर रहे हैं। अपने बचाव में, सरकार का कहना है कि यह नीति सबूतों पर आधारित है और डेटा समर्थित है, जिसमें अधिकांशत: पेट्रोलियम संगठनों के बेनामी और अप्रकाशित अध्ययनों का हवाला दिया गया है।

वाहनों पर इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के असर के दावों को साबित करने के लिए कोई स्वतंत्र अथवा विशेषज्ञों द्वारा जांचा-परखा अध्ययन मौजूद नहीं है। अगर इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने वाली कारों की फ्यूल एफिशिएंसी (ईंधन दक्षता) कम है जैसा कि अब कार निर्माता भी मान रहे हैं और इंजन खराब हो रहे हैं जैसा कि वाहन मालिक शिकायत कर रहे हैं— तो इससे आर्थिक लागत बढ़ेगी। इसके अलावा, कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इथेनॉल मिश्रण से खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ेगा, क्योंकि किसान खाद्य फसलों के बजाय ज्यादा पानी खर्च करने वाली गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इथेनॉल की बढ़ती मांग के मद्देनजर निर्माता कंपनियां मक्का और चावल का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर कर रही हैं। सरकार को नीति के लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट होना जरूरी है और इसके फायदों के बारे में ठोस सबूत पेश करने चाहिए, न कि आलोचकों पर गलत इरादे का आरोप मढ़ देना या इसके नकारात्मक प्रभावों को लेकर लोगों के गुस्से को नजरअंदाज करना। लोग अक्सर ब्राजील का उदाहरण देते हैं, जहां 1980 के दशक में इथेनॉल मिश्रण शुरू किया गया था। इसके दीर्घकालीन असर अब जाकर सामने आ रहे हैं।

यह नीति 1970 के दशक में चीनी के फालतू उत्पादन का सीधा नतीजा थी और इसे चीनी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया था। पिछले चार दशकों में, इसने वहां जमीन के इस्तेमाल में भारी बदलाव किया है, नतीजतन, ईंधन फसलों के लिए जगह बनाने के वास्ते अमेजन के जंगलों की कटाई के कारण भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ है। वैसे भी, बड़े पैमाने पर ऊर्जा फसलों की खेती के लिए भारत की जलवायु और मिट्टी की स्थिति ब्राजील जैसी नहीं है। किसी भी नई तकनीक की तरह, ग्रीन तकनीक को भी— चाहे वह इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल हो या इलेक्ट्रिक गाड़ियां-व्यापक पैमाने पर लागू करने पर अनचाहे बुरे असर हो सकते हैं। जैसे किसी नई वैक्सीन या दवा को लाने से पहले क्लिनिकल ट्रायल किए जाते हैं, वैसे ही सभी नई तकनीकों का अलग-अलग स्थितियों में कुछ समय तक फील्ड-टेस्ट किया जाना चाहिए, और उससे मिले डेटा का विश्लेषण करवाने को स्वतंत्र विशेषज्ञों को दिया जाए। परिवहन अर्थव्यवस्था का एक अहम अंग है, और किसी भी नई तकनीक को लागू करने से पहले उसकी कई पहलुओं से जांच होनी चाहिए और सिर्फ वाहन निर्माता ही नहीं, बल्कि सभी हितधारकों के साथ उस पर चर्चा होनी चाहिए।

यह काफी चौंकाने वाली बात है कि सरकार ने अपने बचाव में वाहन निर्माता कंपनियों को उन शिकायतों का जवाब देने के लिए बुलाया जो वाहन का उपयोग करने वाले कह रहे हैं जैसे कि माइलेज में कमी और गाड़ियों के धातु एवं रबर पुर्जों का खराब होना। दुनिया भर में वाहन निर्माता डेटा में हेरफेर करने के लिए कुख्यात हैं, जैसा कि 2015 में अमेरिका में फॉक्सवैगन एमिशन स्कैंडल में यह सामने आया था। कार बनाने वाली इस कंपनी ने अपनी कारों के डीजल इंजन को कुछ इस तरह प्रोग्राम किया था कि टेस्टिंग के दौरान उत्सर्जन सीमा नियंत्रण में दिखे ताकि नियामक मानकों पर खरा उतरता दिखाई दे; नतीजतन, 40 गुना ज्यादा प्रदूषण पैदा करने वाली कारों को भी मानकों के भीतर पाया मानकर स्वीकृति दे दी गई। अगर पेट्रोलियम मंत्री के दावे के मुताबिक इथेनॉल नीति वाकई वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है, तो सरकार को उन तमाम अध्ययनों के नतीजे सार्वजनिक करने चाहिए, जो ईंधन की क्षमता, अलग-अलग पुर्जों और इंजन पर मिश्रित ईंधन के दीर्घकालीन प्रभाव और अलग-अलग तरह की गाड़ियों पर अलग-अलग परिचालन स्थितियों में परीक्षण डेटा को जांचने के लिए किए गए हों।

इसके अलावा, हमें इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के पर्यावरण के अनुकूल होने के बारे में वैज्ञानिक सुबूत चाहिए, जो कि इथेनॉल के संपूर्ण पर्यावरणीय एवं कार्बन फुटप्रिंट पर आधारित हो — यानी कच्चे ईंधन के उत्पादन से लेकर कारों में वास्तविक इस्तेमाल होने तक। फिर, हमें मिश्रित ईंधन के इस्तेमाल करने पर लागत-लाभ विश्लेषण की जरूरत है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि माइलेज गिरने की चिंताएं हैं। अगर माइलेज 5 प्रतिशत भी कम हो जाती है और कार उपयोग करने वालों को ज्यादा पेट्रोल खरीदना पड़ता जाए, तो आर्थिक फायदों और विदेशी मुद्रा की बचत के दावे हवा हो जाते हैं। दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी के मामले में भी ऐसी ही बातें लागू होती हैं। यह पॉलिसी मुख्यत: दुपहिया और तिपहिया केंद्रित है। इसमें पेट्रोल से चलने वाली नई मोटरसाइकिलों और आटो-रिक्शा के पंजीकरण को बंद करने की समय-सीमा तय कर दी गई है।

एसी में अधिक समय रहने पर बढ़ेंगी झुर्रियां

तेज गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए लोग घंटों तक एसी में समय बिताते हैं लेकिन लगातार एसी के इस्तेमाल से त्वचा पर कई तरह के असर देखने को मिल सकते हैं, जिन पर अक्सर लोग ध्यान नहीं देते। इसकी वजह से आपको स्किन संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। कई बार इससे खुजली, जलन और जल्दी एजिंग के लक्षण भी दिखने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि एसी का इस्तेमाल करते समय स्किन की सही देखभाल की जाए और कुछ जरूरी सावधानियां अपनाई जाएं, ताकि ठंडक के साथ-साथ त्वचा भी स्वस्थ बनी रहे। एयर कंडीशनर कमरे की नमी को सोख लेता है, जिससे हवा बहुत ड्राई हो जाती है। इस ड्राई हवा के कारण त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खोने लगती है और धीरे-धीरे खिंचाव, रूखापन और असहजता महसूस होती है।

एसी हवा में नमी कर देता है कम

झुर्रियां और फाइन लाइन्स जल्दी दिखने लगती हैं

ड्राई स्किन ज्यादा जल्दी एजिंग के संकेत दिखाती है। नमी की कमी से त्वचा की इलास्टिसिटी कम होती है, जिससे फाइन लाइन्स और झुर्रियां समय से पहले नजर आने लगती हैं। इसके अलावा मॉइस्चराइज़र और सनस्क्रीन न लगाना, धूम्रपान करना, त्वचा को ज़्यादा एक्सफोलिएट करना, ज़्यादा धोना, विटामिन और खनिजों की कमी, गलत पॉश्चर में सोना या पर्याप्त नींद न लेना चेहरे की झुर्रियों का कारण होता है।

त्वचा के प्राकृतिक तेल कम हो जाते हैं

लगातार ठंडी हवा के संपर्क में रहने से स्किन के नेचुरल ऑयल बैलेंस पर असर पड़ता है। ये तेल त्वचा को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाए रखते हैं, लेकिन इनके कम होने से स्किन बेजान, खुरदरी और डल दिखने लगती है। इसके लिए विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन कोलेजन उत्पादन में मदद करता है और मुक्त कणों से भी लड़ता है।

करें ये उपाय

दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर और त्वचा दोनों हाइड्रेट रहते हैं। इससे स्किन की नेचुरल चमक बनी रहती है और ड्राईनेस कम होती है। एसी में रहने वाले लोगों को दिन में कम से कम 2 बार मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए। यह त्वचा पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाकर नमी को लॉक करता है। लगातार लंबे समय तक एसी में रहने के बजाय थोड़ी-थोड़ी देर में बाहर निकलकर शरीर को नॉर्मल टेम्परेचर में लाना जरूरी है। ह्यूमिडिफायर कमरे की नमी को बैलेंस करता है, जिससे एसी की ड्राईनेस का असर कम हो जाता है और स्किन को राहत मिलती है। फेस मिस्ट या गुलाब जल स्किन को तुरंत फ्रेश और हाइड्रेट करता है। दिन में 2-3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन में ताजगी बनी रहती है।

खुजली और जलन की समस्या

एसी की ड्राई हवा स्किन की ऊपरी परत को इरिटेट कर सकती है। इसके कारण हल्की खुजली, जलन और कभी-कभी रेडनेस जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

हंसना मना है

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

लड़का - आई लव यू डियर, लड़की - तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का - अरे...पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

पत्नी- हाय राम आपके सर से खून क्यों निकल रहा है? पति- अरे मेरे दोस्त ने ईंट मार दी, पत्नी - आप भी मार देते, आपके हाथ में कुछ नहीं था क्या? पति - मेरे हाथ में उसकी बीवी का हाथ था.. अब चेहरे से भी खून निकल रहा है?

पत्नी ने कहा-'जब अक्ल बंट रही थी, तो उस वक्त तुम कहां थे?''प्रिये, उसी वक्त तो हमारे-तुम्हारे फेरे हो रहे थे।' पति ने तपाक से जवाब दिया।

कहानी | क्या आपकी दुकान में ईश्वर मिलेंगे?

आठ साल का एक बच्चा एक रूपये का सिक्का लेकर दुकान पर जाकर कहा- क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे? दुकानदार ने सिक्का नीचे फेंक दिया और बच्चे को निकाल दिया। बच्चा पास की दुकान में जाकर चुपचाप खड़ा रहा! दुकानदार, ए लड़के! 1 रूपये में तुम क्या चाहते हो? मुझे ईश्वर चाहिए। उसने भी भगा दिया। लेकिन, उस अबोध बालक ने हार नहीं मानी। एक दुकान से दूसरी दुकान, ऐसा करते करते कुल चालीस दुकानों के चक्कर काटने के बाद एक बूढ़े दुकानदार के पास पहुंचा। उसने पूछा- तुम ईश्वर को क्यों खरीदना चाहते हो? पहली बार एक दुकानदार के मुंह से यह प्रश्न सुनकर बच्चे के चेहरे पर आशा की किरणें लहराईं? लगता है इसी दुकान पर ही ईश्वर मिलेंगे! बच्चे ने बड़े उत्साह से उत्तर दिया- इस दुनिया में मां के अलावा मेरा और कोई नहीं है। मेरी मां दिनभर काम करके मेरे लिए खाना लाती है। मेरी मां अब अस्पताल में हैं। अगर मेरी मां मर गई तो मुझे कौन खिलाएगा? डाक्टर ने कहा है कि अब सिर्फ ईश्वर ही तुम्हारी मां को बचा सकते हैं। क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे? दुकानदार- हां, मिलेंगे! कितने पैसे हैं तुम्हारे पास? बच्चा- सिर्फ एक रूपए। दुकानदार- कोई दिक्कत नहीं है। एक रूपए में ही ईश्वर मिल सकते हैं। दुकानदार बच्चे के हाथ से एक रूपए लेकर उसने पाया कि एक रूपए में एक गिलास पानी के अलावा बेचने के लिए और कुछ भी नहीं है। उस बच्चे को फिल्टर से एक गिलास पानी भरकर दिया और कहा, यह पानी पिलाने से ही तुम्हारी मां ठीक हो जाएगी। अगले दिन कुछ मेडिकल स्पेशलिस्ट उस अस्पताल में गए। बच्चे की मां का ऑप्रेशन हुआ। और बहुत जल्द ही वह स्वस्थ हो उठीं। डिस्चार्ज के कागज पर अस्पताल का बिल देखकर उस महिला के होश उड़ गए। डॉक्टर ने उन्हें आश्वासन देकर कहा- टेंशन की कोई बात नहीं है। एक वृद्ध सज्जन ने आपके सारे बिल चुका दिए हैं। साथ में एक चिट्ठी भी दी है। महिला चिट्ठी खोलकर पढ़ने लगी, उसमें लिखा था, मुझे धन्यवाद देने की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको तो स्वयं ईश्वर ने ही बचाया है.. मैं तो सिर्फ एक ज़रिया हूं। यदि आप धन्यवाद देना ही चाहती हैं तो अपने अबोध बच्चे को दिजिए जो सिर्फ एक रूपए लेकर नासमझों की तरह ईश्वर को ढूंढने निकल पड़ा। उसके मन में यह दृढ़ विश्वास था कि एकमात्र ईश्वर ही आपको बचा सकते है। विश्वास इसी को ही कहते हैं। ईश्वर को ढूंढने के लिए करोड़ों रुपए दान करने की जरूरत नहीं होती, यदि मन में अटूट विश्वास हो तो वे एक रूपए में भी मिल सकते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

वृषभ पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

सिंह विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

कन्या उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृश्चिक दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

मकर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है।

मीन बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

फिल्म 'रूपा' से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं गोविंदा

गोविंदा एक बार फिर सिनेमा की दुनिया में वापसी को तैयार हैं। करीब सात साल बाद वे पर्दे पर लौट रहे हैं। वे फिल्म रूपा से कमबैक करेंगे। गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस प्रोजेक्ट की घोषणा की है। इस फिल्म में वे एक नई अभिनेत्री के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

गोविंदा की फिल्म रूपा में नई एक्ट्रेस रानी स्वर्णकार भी नजर आएंगी। प्रेम कॉन्फ्रेंस में गोविंदा ने रानी से भी रूबरू कराया। बता दें कि गोविंदा फिल्म में अदाकारी तो करेंगे ही साथ ही फिल्म को प्रोड्यूस भी वे खुद कर रहे हैं।

गोविंदा ने कहा,शायद यह किस्मत ही थी कि मुझे कई बार नजरअंदाज किया गया। लोग कहते रहते थे, अब वह फिल्मों में नजर नहीं आएंगे। लेकिन मैंने हमेशा नई शुरुआत की। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि यह फिल्म वह सब हासिल करे, जिसकी मैंने कल्पना की है। कुछ ऐसा जिसकी लोग शायद सोच भी न सकें और अपना जादू दिखाए।

गोविंदा ने आगे कहा, यह फिल्म खास तौर पर युवाओं के लिए है। जब वे इसे थिएटर में देखेंगे, तो मुझे उम्मीद है कि यह उन्हें सपने देखने और उन सपनों के सच होने पर यकीन करने के लिए प्रेरित करेगी। मैं इससे ज्यादा आध्यात्मिकता के बारे में बात नहीं करूंगा। एक्टर ने अंक ज्योतिष में अपने पक्के विश्वास के बारे में भी बात की। गोविंदा ने 14 नंबर को अपना लकी नंबर बताते हुए याद किया कि कैसे इसने उनकी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों पर अहम भूमिका निभाई है। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह वापसी एक नए सफर की शुरुआत होगी।

गोविंदा ने कहा, नंबर 14 हमेशा से मेरा लकी नंबर रहा है। मुझे न्यूमरोलॉजी में यकीन है। मेरा नाम भी इसी पर आधारित है। मैंने तब इस पर यकीन करना शुरू किया था, जब मैं सिर्फ 14 साल का था। भगवान की कृपा से, मैंने एक ही हफ्ते में 14 फिल्में साइन कीं और इससे मुझे 14 साल तक सुपरस्टारडम मिला। बाद में मैं 14वीं लोकसभा में सांसद बना। उसके बाद, फिल्मों में वापसी करने से पहले मुझे 14 साल तक संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, इस बार मैं और पांच साल इंतजार नहीं करना चाहता था। मैंने खुद से कहा, मैं फिर से शुरुआत करूंगा। अब, मुझे उम्मीद है कि यह एक नए सफर की शुरुआत होगी। बता दें कि गोविंदा आखिरी बार 2019 में फिल्म रंगीला राजा में नजर आए थे। इसमें उन्होंने डबल रोल निभाया था। वे 2022 की डॉक्यूमेंट्री नाम था कन्हैयालाल में भी नजर आए थे।

पैपराजी पर भड़कीं जरीन खान, कहा-

फालतूगिरी की बात नहीं करना मेरे साथ

जरीन खान ने साल 2010 में सलमान खान की फिल्म वीर से डेब्यू किया था। उन्हें हाउसफुल 2, हेट स्टोरी 3, अक्सर 2 जैसी कई और चर्चित फिल्मों में देखा गया। इन दिनों वे फैशन और लाइफ स्टाइल इवेंट्स में खूब शिरकत करती दिखती हैं और सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। फिलहाल वे अपने एक वीडियो को लेकर चर्चा में आ गई हैं।

जरीन खान अपने एक वीडियो को लेकर सुर्खियों में आई हैं। वायरल वीडियो में वे किसी स्टोर पर कुछ ड्रेस देख रही हैं। इस बीच एक शख्स पूछता है, ये चाहिए क्या? इस पर जरीन मुस्कुराते हुए कहती हैं, मुझे जो चाहिए, वो मैं ले लूंगी। आप फिक्र मत करो। इसी बीच एक शख्स कहता है, ट्राई करो ना। इस पर जरीन कहती हैं, क्या? तुम लोगों के सामने? इसके बाद जरीन कहती हैं, फालतूगिरी की बात नहीं करना मेरे साथ, हद में रहकर बात करना सब के सब। ओके।

जरीन खान ने यह करारा जवाब कथित तौर पर पैपराजी को दिया है। उनके ऐसा कहे जाने पर कुछ लोग तारीफ कर रहे हैं और लिख रहे हैं, सभी को अपनी सीमाओं में रहना चाहिए। वहीं, कुछ लोग जरीन की आलोचना कर रहे हैं। वहीं, कुछ नेटिजंस जरीन के लुक्स की तारीफ कर रहे हैं। जरीन को चाणक्य और हम भी अकेले तुम भी अकेले, अक्सर 2, वजह तुम हो जैसी फिल्मों में भी देखा गया है। बता दें कि सलमान खान के साथ डेब्यू करने के बाद जरीन की काफी चर्चा हुई थी। शुरुआत में उनकी तुलना कैटरीना कैफ से भी होने लगी थी। हालांकि, धीरे-धीरे इंडस्ट्री में उनकी चमक कम होने लगी। आखिरी बार जरीन को साल 2021 में फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले में देखा गया था।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे मोटापे के कारण ही मुझे फिल्म बेलबाटम में रोल मिला था : अंजलि

अंजलि आनंद इस समय बॉलीवुड में एक नया स्टैंडर्ड सेट कर रही हैं। उन्हें एक वक्त पर बॉडी-शेमिंग का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब अपने टैलेंट के दम पर वो लोगों की सोच बदल रही हैं। हाल ही में आई अजय देवगन की धमाल 4 में उनके काम को सराहा जा रहा है। फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। अंजलि आनंद ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी, जिसके बाद उन्हें धीरे-धीरे फिल्मों में काम मिलता रहा। उनका सबसे ज्यादा पॉपुलर काम करण जौहर की फिल्म रॉकी रानी की प्रेम कहानी में रहा। हाल ही में अंजलि ने अपनी फिल्मी जर्नी पर बात करते हुए, अक्षय कुमार की एक फिल्म का जिक्र किया जिसपर उन्होंने बड़ा दावा किया है। एक्ट्रेस का मानना है कि उन्हें साल 2021 में आई अक्षय की फिल्म बेल बॉटम में रोल इसलिए मिला क्योंकि उनका वजन बढ़ा हुआ है। स्क्रीन से बातचीत में अपनी डेब्यू फिल्म को लेकर अंजलि आनंद कहती हैं- मैंने बेल बॉटम में सिर्फ इसलिए काम किया था ताकि फिल्म में एक आतंकवादी मेरे ऊपर गिरकर पकड़ा जाए। मुझे अक्सर ऐसे ही रोल ऑफर होते हैं क्योंकि मेरा वजन ज्यादा है। जब लोग सिर्फ मेरे मोटापे का मजाक उड़ाते हैं, तो बहुत दुख होता है। वो ये भी नहीं देखते कि मैं अच्छी कलाकार हूं या नहीं। वो सिर्फ मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं उनकी तय की हुई खूबसूरती या फिटनेस के पैमानों पर फिट नहीं बैठती। लेकिन ऐसे लोगों के लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय जैसी एक्ट्रेसेस भी अच्छी नहीं हैं। यहां तक कि शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन जैसे सितारों को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है। ऐसे लोग सिर्फ अपनी राय देने के लिए कुछ भी कह देते हैं। लेकिन उनकी सोच या उनकी बातों से आपकी सच्चाई नहीं बदलती।

यहां मौत के बाद भी मुर्दों को नहीं है सुकून, बार-बार खोदी जाती है कब्र, कंकाल के साथ नाचते हैं रिश्तेदार!

मौत के बाद भी अगर मुर्दों को सुकून ना मिले और हर कुछ सालों में उनकी कब्र खोदी जाए तो? यह कल्पना भारत जैसे देश में सुनकर रोंगटे खड़े हो सकते हैं, लेकिन मेडागास्कर में यह एक प्यारी और सम्मानजनक परंपरा है। यहां के लोग मौत को अंत नहीं, बल्कि जीवन चक्र का एक पड़ाव मानते हैं। मेडागास्कर की सबसे अनोखी परंपरा है 'फामादिहाना' जिसका मतलब होता है 'हड्डियों को घुमाना' या 'टर्निंग ऑफ द बोंस'। इस रिवाज में परिवार के सदस्य साल में एक निश्चित समय पर अपने दिवंगत परिजनों की कब्र खोदते हैं। हड्डियों को निकालकर नए रेशमी कपड़े में लपेटते हैं, घर ले आते हैं। वहां पूरे परिवार के साथ पार्टी, नाच-गाना, संगीत और भोज का आयोजन होता है। मान्यता है कि इससे पूर्वज खुश होते हैं और परिवार को आशीर्वाद देते हैं। इसके बाद हड्डियों को फिर से कब्र में सम्मानपूर्वक रख दिया जाता है। यह परंपरा आमतौर पर 5 से 7 साल में एक बार दोहराई जाती है। मेडागास्कर के मूल निवासी मानते हैं कि आत्मा शरीर छोड़ने के बाद भी परिवार के साथ जुड़ी रहती है। मौत के बाद व्यक्ति कहीं नहीं जाता, बल्कि पूर्वज बनकर परिवार की रक्षा करता है। फामादिहाना के जरिए वे पूर्वजों को सम्मान देते हैं और उनके साथ 'मिलते' हैं। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया, हमारे पूर्वज हमें सपनों में मिलते हैं। जब हम उनकी हड्डियों को निकालकर उनके साथ समय बिताते हैं तो उन्हें खुशी मिलती है। समारोह आमतौर पर जून से सितंबर के बीच सूखे मौसम में आयोजित किया जाता है। परिवार के सदस्य कब्रिस्तान जाते हैं। कब्र खोदी जाती है। हड्डियों को सावधानी से निकाला जाता है। उन्हें नए कपड़े पहनाए जाते हैं क्योंकि पुराने कपड़े सड़ चुके होते हैं। फिर जुलूस निकाला जाता है। घर पहुंचकर संगीत बजता है, लोग नाचते हैं, खाते-पीते हैं और पुरानी यादें साझा करते हैं। बच्चों को भी पूर्वजों से परिचय कराया जाता है। कुछ जगहों पर हड्डियों को कंधे पर उठाकर नाचा भी जाता है। पूरा माहौल उत्सव जैसा होता है, शोक जैसा नहीं। यह परंपरा मेडागास्कर की मूल मलागासी संस्कृति से जुड़ी है। इसमें पूर्वज पूजा का गहरा प्रभाव है। लोग मानते हैं कि यदि पूर्वजों का सम्मान नहीं किया गया तो वे नाराज होकर परिवार पर आफत ला सकते हैं। इसलिए फामादिहाना परिवार की खुशहाली और सुरक्षा के लिए जरूरी माना जाता है। आधुनिक समय में यह परंपरा कुछ चुनौतियों का सामना कर रही है। शहरों में लोग व्यस्त जीवन जीते हैं। महंगाई के कारण बड़े समारोह आयोजित करना मुश्किल हो रहा है। साथ ही कुछ स्वास्थ्य विशेषज्ञ और पर्यावरणविद् कब्र खोदने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं। फिर भी ग्रामीण क्षेत्रों में यह परंपरा पूरे जोश के साथ निभाई जाती है।

अजब-गजब | ये है दुनिया का अनोखा सा देश

यहां रहते हैं हर एक धर्म के लोग, नहीं होता दंगा-फसाद!

भारत में विविधता को गर्व से देखा जाता है, लेकिन कभी-कभी छोटी-सी बात पर धर्म आधारित तनाव और दंगे भड़क जाते हैं। ऐसे में इंडियन ओशन में स्थित एक छोटा-सा द्वीप देश मॉरीशस पूरी दुनिया को शांति और सद्भाव का सबक सिखाता है। यहां दुनिया के लगभग हर प्रमुख धर्म के अनुयायी रहते हैं, फिर भी दशकों से कोई बड़ा दंगा-फसाद नहीं हुआ है। यह देश साबित करता है कि विविधता समस्या नहीं बल्कि ताकत हो सकती है, अगर सही नीतियां और सामाजिक मूल्य अपनाए जाए।

मॉरीशस की आबादी करीब 13 लाख है। यहां हिंदू सबसे ज्यादा हैं (लगभग 48 प्रतिशत)। इसके बाद मुस्लिम करीब 17 प्रतिशत, क्रिश्चियन 26 प्रतिशत और अन्य धर्मों (बौद्ध, सिख, बहाई आदि) के लोग भी अच्छी संख्या में हैं। भारतीय मूल के लोग बहुसंख्यक हैं, जिनमें उत्तर भारतीय, तमिल, तेलुगु, मराठी आदि शामिल हैं। इसके अलावा केओल (अफ्रीकी-यूरोपीय मिश्रित), चीनी और फ्रेंच मूल के लोग भी रहते हैं। लेकिन कभी दंगों की खबर नहीं आती। मॉरीशस का संविधान सभी धर्मों को बराबर अधिकार देता है। कोई भी धर्म राज्य धर्म नहीं है। सरकार सभी त्योहारों को सार्वजनिक छुट्टी घोषित करती है, चाहे वो दिवाली, ईद, क्रिसमस, चाइनीज न्यू ईयर आदि हो। स्कूलों में सभी बच्चों को धार्मिक सहिष्णुता की शिक्षा दी जाती है। इतिहास में मॉरीशस की विविधता को गर्व का विषय बताया जाता है। पर्यटन, टेक्सटाइल, चीनी और आईटी सेक्टर पर आधारित मजबूत अर्थव्यवस्था है। बेरोजगारी कम है। जब लोग आर्थिक रूप से संतुष्ट होते हैं तो धार्मिक तनाव कम हो जाता है। कोई भी भड़काऊ भाषण या सोशल मीडिया पोस्ट पर तुरंत एक्शन लिया जाता है। हेट स्पीच को बर्दाश्त नहीं किया जाता है। यहां की संस्कृति को मॉरीशियन कल्चर कहा जाता है, जो सबके तत्वों का मिश्रण है। लोग एक-दूसरे के त्योहार मनाते हैं। हिंदू-मुस्लिम परिवारों में अंतर-धार्मिक शादियां आम हैं।

मॉरीशस कभी डच, फ्रेंच और ब्रिटिश उपनिवेश रहा है। गुलामी और मजदूर प्रथा के दौरान यहां भारतीय, अफ्रीकी और चीनी लोग लाए गए। स्वतंत्रता (1968) के बाद नेताओं ने यूनिटी इन डाइवर्सिटी को मूलमंत्र बनाया। पहले राष्ट्रपति और प्रधानमंत्रियों ने सद्भाव को प्राथमिकता दी। इसके अलावा सरकार की पहल भी इम्पोर्टेन्ट है। मॉरीशस संस्कृति दिवस में विभिन्न समुदायों की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाता है। मॉरीशस में भारतीय मूल के लोग बहुसंख्यक हैं। भारत यहां का सबसे बड़ा व्यापारिक और रक्षा साझेदार है। कई मंदिर, आश्रम और संस्कृतिक केंद्र भारत सरकार के सहयोग से चलते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई भारतीय नेताओं ने मॉरीशस का दौरा किया और सद्भाव की सराहना की है।

बांकीपुर में सियासी रार जारी

मेरी पार्टी के खिलाफ हो रही साजिश : तेजप्रताप

» प्रत्याशी वीणा मानवी का नामांकन रद् होने पर भड़के जेजेडी प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बाकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एक और नाटकीय मोड़ आया, जब तेज प्रताप यादव की जन शक्ति जनता दल (जेजेडी) की उम्मीदवार वीणा मानवी का नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर ने खारिज कर दिया। इसके बाद से वहां की सियासी पारा चढ़ गया है। जेजेडी अध्यक्ष तेजप्रताप ने भाजपा पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के साथ साजिश हो रही है। इस फैसले ने बिहार के सबसे चर्चित उपचुनावों में से एक माने जा रहे इस चुनाव में एक नया मोड़ ला दिया है।

वीणा मानवी नामांकन प्रक्रिया के दौरान ही चर्चा में रही थीं और उनके नामांकन दाखिल करने को लेकर काफी हंगामा हुआ था। नामांकन पत्र जमा करने के कुछ ही समय बाद उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया गया था, जिससे यह घटनाक्रम और भी अहम हो गया है। चुनाव नियमों के अनुसार, निर्दलीय या गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को 10 प्रस्तावकों के हस्ताक्षर वाले नामांकन पत्र जमा करने होते हैं। अधिकारियों ने पाया कि वीना मानवी के नामांकन पत्र में केवल नौ प्रस्तावकों के हस्ताक्षर थे। परिणामस्वरूप, अनिवार्य शर्त पूरी न करने के कारण उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। अपनी पार्टी के उम्मीदवार का नॉमिनेशन रद्द होने की खबर मिलते ही,जेजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव पटना कलेक्ट्रेट पहुंचे और फैसले की जानकारी लेने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर से मुलाकात की। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ साजिश रची गई थी और दावा किया कि नॉमिनेशन जान-बूझकर रद्द किया गया।

न्यायपालिका पर पूरा भरोसा

तेज प्रताप ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और घोषणा की कि पार्टी इस फैसले को अदालत में चुनौती देगी। उन्होंने कहा कि वीणा मानवी के साथ अन्याय हुआ है और भरोसा जताया कि कानूनी प्रक्रिया के जरिए पार्टी को न्याय मिलेगा। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में पहले ही कई अप्रत्याशित घटनाक्रम देखने को मिले हैं।

राजद, भाजपा व जनसुराज के प्रत्याशी तैयारी में जुटें

बीजेपी ने शुरुआत में अभिषेक कुमार सिन्हा, जिन्हें बंटी के नाम से भी जाना जाता है, को अपना उम्मीदवार बनाया था। हालांकि, नामांकन पत्र दाखिल करने के कुछ ही समय बाद, उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद पार्टी ने नीरज कुमार सिन्हा को अपना नया उम्मीदवार घोषित किया। इस मुकाबले ने इसलिए भी ध्यान खींचा है क्योंकि जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रेखा देवी को मैदान में उतारा है।

इशांत को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन : पप्पू यादव

» समस्तीपुर में मिला था 14 वर्षीय किशोर का शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

समस्तीपुर। समस्तीपुर के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोर इशांत कुमार उर्फ छोटू की हत्या का मामला अब राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पीड़ित परिवार से मिलने बंगराहा गांव पहुंचे। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी और सरकार से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी, स्पीडी ट्रायल, परिवार की सुरक्षा और 50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह आंदोलन करेंगे। बंगराहा गांव निवासी रामप्रीत यादव का 14 वर्षीय बेटा इशांत कुमार उर्फ छोटू करीब एक महीने पहले लापता हो गया था। काफी तलाश के बाद उसका शव घर से करीब तीन किलोमीटर दूर जमीन में दफन मिला। सूचना मिलने पर पुलिस गड्ढा खोदकर शव बाहर निकाला। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। पप्पू यादव ने राज्य सरकार से इस मामले में स्पीडी ट्रायल चलाने, पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने और 50 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं में पीड़ित परिवार को सिर्फ न्याय का भरोसा नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा भी मिलनी चाहिए। सांसद ने कहा कि अगर सरकार उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं करती है तो वह आंदोलन करेंगे और सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि गरीब और कमजोर परिवारों को न्याय दिलाने के लिए वह लगातार आवाज उठाते रहेंगे। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

पीड़ित के परिवार से मिले पूर्णिया सांसद

पप्पू यादव पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि न्याय दिलाने के लिए हर संभव लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस जघन्य हत्याकांड में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाना चाहिए और सभी दोषियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी होनी चाहिए।

भारत ने इंग्लैंड को पहले वनडे में 6 विकेट से हराया

» 11 साल बाद इंग्लैंड की एजबेस्टन में हार, भारत ने सीरीज में बनाई बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बर्मिंघम। कप्तान शुभमन गिल की शानदार कप्तानी पारी और अक्षर पटेल के दमदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को छह विकेट से हरा दिया। एजबेस्टन में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। जवाब में भारत ने 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। खास बात यह रही कि एजबेस्टन में 2015 के बाद इंग्लैंड की यह पहली वनडे हार है। पिछली बार 2014 में भी उसे भारत ने ही इस मैदान पर हराया था।

बता दें इंग्लैंड ने 13वें ओवर तक बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुकी थी लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मैच की तस्वीर ही बदल दी। बुमराह, गुरनूर और प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार विकेट निकालकर इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। देखते ही देखते मेजबान टीम 107 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद जो रूट और लियाम डॉसन के सातवें विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी के दम पर इंग्लैंड 258 रन तक पहुंचने में सफल रहा। भारत की ओर से अक्षर पटेल ने 62 रन देकर चार विकेट झटके। 259 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 48 रन पर दो बड़े विकेट गिर गये थे। फिर गिल ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। इसके बाद दो विकेट जल्दी गिरने से भारत पर थोड़ी देर के लिए दबाव बढ़ गया। फिर अक्षर और वॉशिंगटन ने पांचवें विकेट के लिए नाबाद 102 रन जोड़कर भारत को आसान जीत दिला दी।

जसप्रीत बुमराह ने वनडे में पूरे किए 150 विकेट

जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट लेते ही सभी भारतीय गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने जैसे ही इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को अपना शिकार बनाया वे इंग्लैंड में भारत के सबसे सफल गेंदबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया है। जडेजा ने इंग्लैंड में भारत के लिए वनडे में 30 विकेट लिए हैं, तीसरे स्थान पर भुवनेश्वर कुमार हैं जिन्होंने इंग्लैंड में 28 वनडे विकेट लिए हैं। जसप्रीत बुमराह ने वनडे क्रिकेट में अपने 150 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। अगर गेंदों के लिहाज से बात करें, तो वह भारत के लिए सबसे कम गेंदों में इस आंकड़े तक पहुंचने वाले तीसरे सफल तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने सिर्फ 4605 गेंदों में अपने 150 विकेट पूरे किए। भारत के लिए वनडे में सबसे कम गेंदों पर 150 विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है जिन्होंने 4070 गेंदों पर ऐसा किया था। वहीं, कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने 4513 गेंदों पर वनडे में 150 विकेट पूरे किए थे।

भाजपा भूमाफिया बन गई है: बरथूनिया

» कोटा में भाजपा कार्यालय की जमीन को लेकर कांग्रेस का बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में बन रहे भाजपा के नए कार्यालय को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक ओर भाजपा नेता इस जमीन को अपना बता रहे हैं, वहीं कांग्रेस ने भाजपा नेताओं को भूमाफिया बताते हुए आरोप लगाया है कि पार्टी ने रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। इसी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीआरएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जताई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अपर मंडल रेल प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर कानूनी कार्रवाई की मांग की और कहा कि कांग्रेस रेलवे के साथ खड़ी है।

विपिन बरथूनिया ने कहा कि उपलब्ध दस्तावेज इस बात की पुष्टि करते हैं कि यह जमीन रेलवे की है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में इस भूमि पर रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के लिए छात्रावास बनाने की योजना को मंजूरी दी गई थी और इसके लिए बजट में भी प्रावधान किया गया था। उनका आरोप है कि सरकार बदलने के बाद इस जमीन पर भाजपा कार्यालय का निर्माण शुरू कर दिया गया।

रेलवे की जमीन पर भाजपा कार्यालय बनाने का आरोप

कांग्रेस नेता विपिन बरथूनिया ने बताया कि 80 फीट रोड स्थित जिस जमीन पर भाजपा अपना कार्यालय बना रही है, वह रेलवे की जमीन है। उन्होंने दावा किया कि रेलवे पहले ही एक पत्र जारी कर इस जमीन को अपनी संपत्ति बताते हुए अवैध अतिक्रमण की बात कह चुका है। उनके अनुसार रेलवे ने केडीए को लिखे पत्र में बताया था कि यह जमीन करीब 35 वर्ष पहले सड़क निर्माण के उद्देश्य से लीज पर दी गई थी, लेकिन बाद में केडीए ने इसे भाजपा कार्यालय के लिए आवंटित कर दिया। कांग्रेस ने इस आवंटन में शामिल अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है।

ताहिर की जगह कपिल नाम होता तो बरी हो जाते : इमरान मसूद

» कांग्रेस सांसद के बयान पर भाजपा ने राहुल गांधी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन को दोषी ठहराए जाने के बाद राजनीतिक घमासान तेज है। कांग्रेस के लोकसभा सांसद इमरान मसूद ने दावा किया कि ताहिर हुसैन को उनके मुस्लिम होने की वजह से निशाना बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, अगर उनका नाम ताहिर की जगह कपिल होता तो उन्हें बरी कर दिया जाता। इमरान मसूद के बयान पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या यह कांग्रेस नेतृत्व की आधिकारिक सोच है। उन्होंने कहा, क्या यह बयान राहुल गांधी के निर्देश पर दिया गया? क्या राहुल इमरान से इस बयान पर माफी मंगवाएंगे?

ईओडब्ल्यू ने फरार चल रहे दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

» सरकारी धन के गबन के थे आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। ईओडब्ल्यू उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद चित्रकूट स्थित विशिष्ट मण्डी, कर्वी के निर्माण कार्य में लगभग 8 करोड़ से अधिक के सरकारी धन के गबन के बहुचर्चित प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जनपद चित्रकूट के कर्वी स्थित विशिष्ट मण्डी स्थल के निर्माण हेतु वर्ष 14 में निविदा प्रक्रिया के माध्यम से कार्यदायी संस्था का चयन किया गया था। आरोप है कि निर्माण कार्य के निष्पादन के दौरान अभियुक्तगण ने कार्यदायी संस्था मे0 ग्लेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, गाजियाबाद के पदाधिकारियों के साथ आपराधिक षड्यंत्र एवं मिलीभगत कर अपने पद एवं अधिकारों का दुरुपयोग किया।

अभियुक्तों द्वारा निर्माण कार्य का वास्तविक सत्यापन एवं वित्तीय परीक्षण किए बिना, नियमों के विपरीत अधिक माप,अनुचित मूल्यांकन तथा अनधिकृत भुगतान कराते हुए लगभग 8 करोड़ से अधिक की सरकारी धनराशि का अतिरिक्त भुगतान कराया गया, जिससे शासन को भारी आर्थिक क्षति हुई। उक्त प्रकरण के संबंध में थाना कोतवाली नगर, जनपद चित्रकूट पर मु0अ0सं0-818/19 धारा 409, 120-बी भारतीय दण्ड संहिता तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया।

एक बार फिर महाराष्ट्र की सियासत गरमाई

एनसीपी-एसपी एनडीए के करीब आई

» मोदी सरकार के दो अहम बिलों को शरद पवार दे सकते हैं समर्थन

» उद्धव ठाकरे का शिंदे गुट पर बड़ा कानूनी सर्जिकल स्ट्राइक

» छह बागी सांसदों को भेजा कानूनी नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। संसद के आगामी मानसून सत्र से ठीक एकबार फिर महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई। एक ओर जहां ऐसी खबरें आ रही हैं कि (एनसीपी- शरदचंद्र पवार) आगामी मानसून सत्र में मोदी सरकार के दो सबसे महत्वाकांक्षी प्रस्तावों– महिला आरक्षण और परिसीमन बिल का समर्थन कर सकती है। तो दूसरी ओर शिवसेना (उबाठा) ने अपने छह बागी लोकसभा सदस्यों को कानूनी नोटिस भेजा है।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले दल ने कहा है कि उसका विरोधी शिंदे गुट के साथ विलय कानूनन संभव नहीं है। दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्षी दल के इस कदम को पूरी तरह बेअसर बताते हुए खारिज कर दिया है। ससंद सत्र पहले देश और महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ी हलचल शुरू हो गई है। सूत्रों के हवाले से बेहद अहम खबर सामने आ रही है कि शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरदचंद्र पवार) आगामी मानसून सत्र में मोदी सरकार के दो सबसे महत्वाकांक्षी प्रस्तावों– महिला आरक्षण और परिसीमन बिल का समर्थन कर सकती है। पार्टी का यह कदम बेहद रणनीतिक माना जा रहा है, क्योंकि उम्मीद है कि शरद पवार गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में औपचारिक रूप से शामिल हुए बिना ही इन दोनों अहम कानूनों के पक्ष में संसद में मतदान करेगा।

सूत्रों ने बताया कि शरद पवार गुट का एनडीए का हिस्सा बनने का कोई इरादा नहीं है। इसके बजाय, पार्टी इन बिलों पर सरकार को मुद्दों के आधार पर समर्थन दे सकती है। फिलहाल एनसीपी (शरद पवार गुट) के आठ सांसद हैं। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि शरद पवार गुट का एक धड़ा सत्ताधारी सरकार के साथ करीबी सहयोग की वकालत कर रहा है। हालांकि, माना जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व ने आंतरिक फूट और संगठन में किसी भी संभावित बंटवारे से बचने के लिए सिर्फ प्रस्तावित बिलों का समर्थन करने की सीमित रणनीति अपनाई है।

शिंदे गुट के साथ इन सांसदों का विलय कानूनन संभव ही नहीं है : सावंत

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने अपने छह बागी लोकसभा सदस्यों को कड़ा कानूनी नोटिस भेजा है। पार्टी का साफ कहना है कि विरोधी शिंदे गुट के साथ इन सांसदों का विलय कानूनन संभव ही नहीं है। दूसरी तरफ, सूबे के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्षी दल के इस कदम को पूरी तरह से बेअसर बताते हुए खारिज कर दिया है ।शिवसेना (उबाठा) के संसदीय दल के नेता अरविंद सावंत ने 13 जुलाई को लिखे पत्रों में सभी छह सांसदों को याद दिलाया कि उन्होंने साल 24 का लोकसभा चुनाव उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में और पार्टी के चुनाव चिह्न पर शिंदे गुट के खिलाफ लड़कर जीता था। सावंत ने कहा कि मूल राजनीतिक दल ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ किसी भी तरह के विलय की न तो शुरुआत की है और न ही इसकी अनुमति दी है। संविधान की दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के पैराग्राफ 4 का हवाला देते हुए सावंत ने स्पष्ट किया कि जब मूल राजनीतिक दल का ही कोई विलय नहीं हुआ है, तो सदन के भीतर विधायी दल के विलय का सवाल ही नहीं उठता और कानून में भी इसकी कोई व्यवस्था नहीं है। सावंत ने बताया कि पार्टी को सार्वजनिक माध्यमों से बागी सांसदों द्वारा विलय का दावा करने और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संपर्क करने की जानकारी मिली है। उन्होंने साफ किया कि पार्टी अध्यक्ष को पहले ही सूचित कर चुकी है कि इन सांसदों के किसी भी विलय या अलग समूह को मान्यता न दी जाए, और अध्यक्ष ने भी अभी तक ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया है।

एनसीपी के प्रफुल्ल पटेल या सुनीत तटकरे से मुलाकात अफवाह : जयंत

जयंत पाटील ने एनसीपी के प्रफुल्ल पटेल या सुनीत तटकरे से मुलाकात की अफवाह को खारिज किया है और दावा किया है कि वे इन दोनों नेताओं से से कभी नहीं मिले न ही मर्जर पर किसी तरह की कोई चर्चा हुई. जयंत पाटील का दावा है कि अजित पवार की मौत के बाद से दोनों पार्टियों के विलय पर कोई बात नहीं हुई है। यह नहीं कहा जा सकता कि चर्चा बंद हो गई है क्योंकि चर्चा तो अभी शुरू भी नहीं हुई है। जयंत पाटील ने जानकारी दी, हमारे साथ ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। सुप्रिया सुले ने सांसदों से या पवार साहब से बात की होगी. क्या निर्णय हुआ, मुझे पता नहीं. व्यक्तिगत तौर पर मानना है कि एमपी-एमएलए की संख्या बढ़ाने से पहले प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत की जानी चाहिए। सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद जयंत पाटील ने कहा कहा, मैं अपने विधानसभा क्षेत्र इस्लामपुर के नगराध्यक्ष के अयोग्यता (डिस्क्वालिफिकेशन) के मामले को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने गया था. जब मैं मुख्यमंत्री के वेटिंग रूम में बैठा था, उस समय सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल मुख्यमंत्री के साथ बैठक कर रहे थे। मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि उनकी मुख्यमंत्री के साथ किस विषय पर चर्चा हो रही थी। उन्होंने आगे कहा, मेरी मुख्यमंत्री से मुलाकात पूरी तरह अलग मुद्दे पर थी. सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल की बैठक किस विषय पर थी, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। मेरी न तो प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे से कोई मुलाकात हुई और न ही हम तीनों की मुख्यमंत्री के साथ कोई संयुक्त बैठक हुई।

'सरकार या मुख्यमंत्री की आलोचना करना राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ना नहीं'

» पुणे की अदालत ने दी राकांपा नेता को जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। पुणे की एक अदालत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के पदाधिकारी महादेव बालगुडे को जमानत देते हुए एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल सरकार या मुख्यमंत्री की आलोचना करने मात्र को राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ना नहीं माना जा सकता। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बी. डी. कुलकर्णी ने महादेव बालगुडे की जमानत याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को सरकार के कार्यों की सराहना करने, उन पर टिप्पणी करने और उनकी आलोचना करने का पूरा अधिकार है।

महादेव बालगुडे को इस साल अप्रैल में गिरफ्तार किया गया था। उन पर सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कथित रूप से छेड़छाड़ की गई तस्वीरें साझा करने और नक्सलियों के प्रति सहानुभूति दर्शाने वाली सामग्री पोस्ट करने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था, जो देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने से संबंधित है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि दस्तावेजों से यह साफ है कि आरोपी ने केवल कुछ सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे, जो सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा हैं।

न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है जिससे यह साबित हो सके कि आरोपी ने भारत की संप्रभुता को खतरे में डालने वाला कोई कार्य किया या राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए किसी को उकसाया। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने यह भी उल्लेख किया कि इस मामले में बीएनएस की धारा 152 का लागू होना विवाद का विषय है और आरोपी पर लगाई गई अन्य धाराएं जमानती प्रकृति की हैं। चूंकि पुलिस पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है और जांच पूरी हो गई है, इसलिए अदालत ने आरोपी को और अधिक समय तक हिरासत में रखने की आवश्यकता नहीं समझी।

'देश में अब लोकतंत्र नहीं है, तानाशाही सरकार है'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद बुधवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने आंदोनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में अब लोकतंत्र नहीं है, तानाशाही सरकार है।

कोई मर भी जाए, इससे सरकार को फर्क नहीं पड़ता। जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन में सोनम वांगचुक भूख हड़ताल कर रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद ने सोनम वांगचुक का समर्थन किया और सरकार को आड़े हाथों लिया। कॉकरोच जनता पार्टी नीट -यूजी में हुई कथित धांधली और पेपर लीक के विरोध में जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 17 दिन से अनशन कर रहे हैं।

पटना हाईकोर्ट के आदेश पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

यौन अपराधों में न्यायिक संवेदनशीलता पर नाराजगी जताई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि यौन अपराध के मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता पर राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी समिति की रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट और सभी हाई कोर्ट की वेबसाइटों पर अपलोड किया जाए।

यह रिपोर्ट इलाहाबाद हाई कोर्ट के 17 मार्च, 2025 के उस आदेश से उपजे स्वत: संज्ञान वाले मामले में तैयार की गई थी, जिसमें कहा गया था कि किसी लड़की के पजामे का नाड़ा खींचना और उसके स्तनों को पकड़ना रेप की कोशिश नहीं माना जाएगा। वरिष्ठ वकील शोभा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि ऐसा समय-समय पर होता रहा है और इसमें 9 जुलाई को पटना हाई कोर्ट का एक आदेश भी शामिल है, जिसमें कहा गया था कि किसी महिला की सलवार उतारना और उसकी छाती दबाना रेप की कोशिश नहीं है।

वन नेशन-वन इलेक्शन भाजपा की साजिश : अजय

» बोले प्रतिनिधिमंडल सदस्य- बीजेपी भारत के संविधान, लोकतंत्र और संघीय ढांचे के विरूद्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संसद की संयुक्त संसदीय समिति के राजधानी लखनऊ में राजनीतिक दलों के नेताओं से संवाद के तहत आयोजित बैठक में यूपी कांग्रेस कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ और 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के प्रस्ताव के सम्बन्ध में पक्ष रखा। कांग्रेस पार्टी ने इस मौके पर 51 पेज में उल्लिखित अपने मत को समिति को सौंपा।

कांग्रेस पार्टी का हमेशा से मत रहा है कि भारत का संविधान और लोकतंत्र अक्षुण्य रहना चाहिए तथा देश के संघीय ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

जेपीसी की बैठक में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधिमंडल हुआ शामिल

भारतीय संविधान द्वारा राज्यों को प्रदत्त कल्याणकारी राज्य की अवधारणा बनी रहनी चाहिए। वन नेशन-वन इलेक्शन से अधिकार एवं नियंत्रण का समावेश केन्द्रीयकृत होगा जिससे प्रेसीडेन्शियल राजनीतिक को बढ़ावा मिलने का खतरा पैदा हो सकता है। कांग्रेस पार्टी का यह भी मत रहा है कि चुनावी व्यय एवं प्रशासनिक सुविधा को कभी भी संविधान संशोधन का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए, यह संविधान की मूल भावना के प्रतिकूल है।

भारत विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों तथा भिन्न भाषाओं का का देश है। राज्यों की भिन्न-भिन्न परिस्थितियां हैं। कानूनन एक साथ ही चुनाव कराने से तमाम असामान्य परिस्थितियां उत्पन्न होंगी जो देश के सामने एक कठिन संकट उत्पन्न करने वाला हो सकता है। प्रतिनिधिमंडल के बैठक से निकलने के उपरान्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस अवधारणा के तहत हमेशा खड़ी रही है और भारत के संविधान, लोकतंत्र और संघीय ढांचे की मजबूती के लिए कार्य करती रहेगी और इसके विरूद्ध होने वाले किसी भी साजिश को नाकाम करेगी।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा